

# 'रिटर्न जनी' की वास्तविकता को समझते हैं

रिटर्न जनी अर्थात् केवल परमधाम वापस जाने की यात्रा नहीं, बल्कि परमात्मा से प्राप्त हुए दिव्य खजानों को संसार में बाँटने की यात्रा भी है। बाबा ने हमें ज्ञान दिया, योग की शक्ति दी, श्रेष्ठ संस्कारों की पालना दी और आत्मा को उसकी वास्तविक पहचान कराई। अब समय है कि हम दिव्य प्राप्ति का प्रतिदान अपने जीवन और कर्मों के माध्यम से दें।

## रिटर्न का आध्यात्मिक अर्थ

परमात्मा समझाते हैं कि रिटर्न के दो अर्थ हैं। पहला- जहाँ से हम आये हैं, उस अपने स्वीट साहसैस होम, परमधाम में वापस लौटना। दूसरा- जो कुछ परमात्मा ने हमें दिया है, उसे विश्व कल्याण के लिए वापस देना।

परमात्मा ने हमें केवल सुख प्राप्त करने का मार्ग नहीं बताया, बल्कि सुख देने वाला बनने की कला सिखाई है। उन्होंने हमें शांति का अनुभव कराया, ताकि हम अशांत आत्माओं को शांति का अनुभव करा सकें। उन्होंने हमें प्रेम दिया, ताकि हम प्रेम के दीपक बनकर दूसरों के जीवन में उजाला कर सकें।

## बाप सम्मान बनने की प्रेरणा

मुरली में बाबा बच्चों को बार-बार प्रेरणा देते हैं- बाप सम्मान बनो। परमात्मा प्रेम के सागर, शांति के सागर, करुणा के सागर और दया के सागर हैं। उनके बच्चे होने का अर्थ है कि हमारे जीवन में भी इन दिव्य गुणों को झलक दिखाई दें।

आज अनेक आत्माएँ जीवन की कठिन परिस्थितियों से गुज़र रही हैं। किसी को सच्चे स्नेह की आवश्यकता है, किसी को सहयोग की, किसी को सही मार्गदर्शन की। ऐसे समय में बाप

आत्माओं का कर्तव्य है कि वे अपने विचार, वाणी और व्यवहार से परमात्मा के संदेश को साकार करें। क्योंकि कड़े बार जो प्रभाव शब्द नहीं डाल पाते, वह हमारा श्रेष्ठ आचरण कर देता है। एक मधुर मुस्कान, एक शुभ भावना, एक सहयोग का हाथ और एक शांत व्यवहार किसी के जीवन में नई आशा जगा सकता है।

## पुराने संस्कारों का त्याग, दिव्य संस्कारों की धारणा

रिटर्न जनी की वास्तविक तैयारी अपने अंदर के परिवर्तन से शुरू होती है। पुराने संस्कारों का त्याग ही सच्चा त्याग है। क्रोध, अहंकार, आलस्य, ईर्ष्या, स्वार्थ और देह-अभिमान जैसे संस्कारों को समाप्त कर आत्मा के मूल गुणों को प्रकट करना ही बापस जीवन की सुंदरता है।

हमारा वास्तविक स्वरूप ही प्रेम, शांति, पवित्रता और सहयोग है।

परमात्मा ने हमें यही स्मृति दिलाई है कि हम साधारण आत्माएँ नहीं, बल्कि दिव्य संस्कारों से सम्पन्न श्रेष्ठ आत्माएँ हैं।

## विश्व कल्याण के निमित्त बनना

संभ्रमयुग का यह अनुपम समय आत्माओं के लिए परमात्म मिलन और आत्म-परिवर्तन का श्रेष्ठ अवसर है। चारों ओर बदलती हुई विश्व परिस्थितियाँ, अशांति, तनाव और मानवीय मूल्यों का ह्रास हमें एक गहरे आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे समय में परमापिता शिव अपने बच्चों को स्नेहपूर्ण स्मृति दिलाते हैं- अब समय है रिटर्न जनी का।

आज विश्व को केवल भाषणों की नहीं, बल्कि श्रेष्ठ जीवन जीने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है। जब हम स्वयं शांत स्वरूप बनते हैं, तभी दूसरों को शांति दे सकते हैं। जब हमारे कर्म दिव्य बनते हैं, तभी संसार को नई दिशा मिलती है।

परमात्मा की इच्छा है कि उनके बच्चे उनके कार्य में

आज समय है स्वयं से पूछने का- यदि बाबा हमसे पूछें, "बच्चे, मैंने तुम्हें जो प्रेम, ज्ञान और शक्ति दी, उसका रिटर्न क्या लाए?" तो हमारा उत्तर क्या होगा? आइए, ऐसा जीवन बनाएँ कि हमारा हर विचार शुभ हो, हर वाणी मधुर हो और हर कर्म विश्व कल्याण का माध्यम बने।

क्योंकि सच्ची रिटर्न जनी वही है, जिसमें आत्मा घर लौटने से पहले परमात्मा के कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लेती है।

"बाबा, आपने हमें जो बनाया है, अब हम भी आपके सम्मान बनकर विश्व में शांति और सुख का प्रकाश फैलाएँ।"



**कुरुक्षेत्र-हरियाणा।** विश्व शान्ति धाम में त्रि-दिवसीय समारोह का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी, ब्र.कु. मधु, ईशानी चाइलड केयर स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा नारंग व मनोव नारंग तथा अन्य।



**फतेहगढ़-उ.प्र।** नव दशकोत्सव के अवसर पर 'आध्यात्मिक जागरण' से विश्व परिवर्तन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन दीदी, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. रोशिका, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. रुचि तथा अन्य।



**जम्शेदपुर-महान बुद्ध (झारखंड)।** विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बहुरंगीण महाविद्यालय में आयोजित जागरण कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में प्राचार्य डॉ. सत्यप्रीत महालिक, ब्रह्माकुमारी कानन, छहचर एवं शिक्षकगण।



**काठमा-हरियाणा।** ब्रह्माकुमारी समाज सेवा प्रभाग द्वारा 'संगम' गौरवाणु बुद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन प्रोजेक्ट के अंतर्गत चरित नागरिकों व सम्यक्भावियों के लिए आयोजित स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए जिला पापद प्रतियोगिता अग्रणी बाली, ब्रह्माकुमारी समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संचालक ब्र.कु. वीरेंद्र, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वसुधा बानन, ब्र.कु. नीलग, ब्र.कु. सुनील तथा अन्य ब्र.कु. बहनें। मौके पर उपस्थित रहे सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी।



**न्यू गवाहटी-असम।** नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रिफाइनरी हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए ब्र.कु. राजीव, मेडिकल विंग वक्ता। मौके पर उपस्थित रहे स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मोसमी बानन एवं शिक्षकगण।



**कराची-पंजाब।** म्युनिसिपल कॉर्डेसालर हज़ीत और व उनके परिवार के सदस्यों को सेवाकेन्द्र आगमन पर परमात्मा मिला व दिव्य संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. स्वराज एवं ब्र.कु. योगी।



**रांची-झारखंड।** चौधरी बगान, हरमू रोड स्थित सेवाकेन्द्र पर आयोजित विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, ब्र.कु. प्रदीप, झारखंड उच्च न्यायालय के कोर्ट मास्टर दीपरजन जी, रेटेरियन अमित अग्रवाल तथा व्यवसायी प्रवीण राजगढ़िया।



**निपाण नगर-जयपुर (राज.)।** विश्व पर्यावरण दिवस पर दिवादन कांडेस्तर कार्यालय में पौधारोपण करते हुए ब्र.कु. सरिता। साथ है कार्यालय अध्यक्ष रामचरण सेन तथा अन्य।



**अरोध्या-उ.प्र।** अरोध्या भाम रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छता महाभियान के दौरान रेलवे स्टेशन सफाई अधीक्षक कोशल किशोर को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. सुख बहन। साथ है ब्र.कु. अखिलेश तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।